3

## राजस्व विभाग

## युद्ध जागीर

## दिनांक 2 मार्च, 1995

कमांक 420-अ-2-95/2878—थी मान। राम, पुत श्री खूबी राम, निवासी गांव सोरड़ा जदोद, सहसील लोहारू, जिला भिवानी को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रविनियम, 1948की धारा 2(0) (10) तथा 3(10) के श्रवीन सरकार की श्रविस्थन। क्रमांक 149-ज-I-76/6704, दिनांक 3 मार्च, 1976 द्वार: 100 रुपये वार्षिक श्रीर बाद में श्रविस्थना क्रमांक 5041-श्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक श्रीर उसके बाद श्रविस्थना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूवर, 1979 द्वारा 150 रुपये मे बढ़ाकर 300 रुपये गांविस की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. भव श्री आता राम की दिनांक 2 जून, 1992 को हुई मृत्यू के परिवास स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, लगरोबत अधितियम (जैसा कि इसे हिन्यून) शुक्र में अपसाय! नगा है और इसमें भाव तक स्वाधित विध्या गया है) की सारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री मानां राम की विध्या श्रीमती कुला केवी है नाम करिए, 1992 से 260 रुपये वर्ग के स्था रकी, 1993 में 300 रुपये वर्ग के सहित में दी गई सार्गी के मन्तर्गत तबदील करते हैं।

कमांक 440 ज-II-95/2882. —श्री चन्दगी राम, पृद्ध श्री कुरडा राम, निवासी गांव साल्हावास, तहसील झरजर, जिला रोहतक की पूर्वी पंजाब युद्ध पुरूक्तार अधिनयम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(१ए) के अधीन सरकार की अधित्वस। धमांद हु: ज-]I-95/2018, जिन व 8 वर्ष, 1958 हुआ 200 स्परे वार्षिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 हाला 150 रुपये दौरिक और उसमें दौर अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 श्रदतूबर, 1979 हाला 150 रुपये से बढ़ा कर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंगूद की गर्वीथी।

2. शब श्री चारगी ने की रिन के 8 जून, 1910 की हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हिर्याणा के राज्यपाल, उपरोवत श्रीतियम (जैसा कि उसे हिन्याणा र उद में हमन्या र रहा है और इसमें श्री के कि तहा गया है) की श्रीतियम (जैसा कि दिस्त की गर्म प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री चारगी राम है विद्वा श्रीमती श्रवण के नाम खरीफ, 1990 से खरीफ, 1992 तक 300 रुपये वाष्ट्रिक तथा रवी, 1993 से 1,000 रुपये वाष्ट्रिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

## दिनोक 6 शार्च 1995

त्रमांक 43%—ज-2-45/2450,— श्री प्रभू दयास, पृद्ध श्री मेहर स्टर्गिद सी गर हेहा पाटीदा, तहसील झस्जर, जिला रोहतक को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरूषकार झिस्तियम. 1948 की धारा 2(0) (10) तथा 2(10) के प्रधीन सरकार की श्रीयमूचना क्रमांक 1877-ज-I-71/5787, दिनांक 14 फरवरी, 1977 द्वारा 150 रुपये वार्षिक भीर उसके बाद सिधमूचना अमांक 1789—जI-79/44040, दिनांक 50 अक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. ग्रव श्री श्रभु दयाल की दिनांक 7 सितम्बर, 1989 की हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है ग्रीर उसमें ग्राफ तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के ग्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस आगीर को श्री श्रभु दयाल की विधवा श्रीमती कलावती के नाम रवी, 1989 से खरीफ, 1993 तक 300 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1993 से 1,000 रूपये वार्षिक की दर से, सनद में दी गई शरों के ग्रन्तगृत तबवील करते हैं।